

प्रेषक,

डी०एस० गर्ब्याल,

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मेलाधिकारी,

अर्द्ध कुम्भ मेला-2016,

हरिद्वार।

शहरी विकास अनुभाग-3

देहरादून: दिनांक: 24 सितम्बर, 2015

विषय-कुम्भ/अर्द्ध कुम्भ मेलों में आने वाले अतिथियों/अधिकारियों के ठहरने हेतु अतिथि गृह के निर्माण के सम्बन्ध में
महोदय,

कृपया उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-349/अ०कु०मे०/वी०आई०पी० गेस्ट हाउस, दिनांक 21.07.2015 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ कि कुम्भ/अर्द्ध कुम्भ मेलों में आने वाले अतिथियों/अधिकारियों के ठहरने हेतु अतिथि गृह के निर्माण कार्य की स्वीकृति के सम्बन्ध में गढ़वाल मण्डल विकास निगम द्वारा उपलब्ध कराये गये आगणन के सापेक्ष टी०ए०सी० परीक्षण के उपरान्त औचित्यपूर्ण पायी गयी धनराशि रू० 471.90 लाख तथा रू० 1259.78 लाख अर्थात् कुल धनराशि रू० 1731.68 लाख के कार्य की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए समस्त धनराशि रू० 1731.68 लाख भारत सरकार से प्राप्त होने वाली धनराशि की स्वीकृति की प्रत्याशा में आपके निर्वर्तन पर रखते हुए निम्नलिखित प्रतिबन्धों/शर्तों के अधीन किये जाने की स्वीकृति प्रदान की जाती हैं:-

- (i) कार्य करने से पूर्व मदवार दर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों के आधार पर तथा जो दरें शिड्यूल ऑफ रेटस में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गई हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता/सक्षम अधिकारी से अनुमोदित करना आवश्यक होगा।
- (ii) कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र पर सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
- (iii) कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितनी धनराशि की स्वीकृति गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- (iv) कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुये एवं लो०नि०वि० द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुये निर्माण कार्य को सम्पादित कराना सुनिश्चित किया जाएगा।
- (v) निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाय तथा उपयुक्त सामग्री ही प्रयोग में लायी जाय।
- (vi) आगणन में प्राविधानित डिजायन एवं मात्राओं हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता एवं अधीक्षण अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।

- (vii) मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/XIV-219(2006) दिनांक 30.05.2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन किया जाएगा।
- (viii) आगणन गठित करते समय तथा कार्य प्रारम्भ कराने से पूर्व उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित कर लिया जाय कि वित्त विभाग द्वारा निर्धारित प्रारूप पर कार्यदायी संस्था से एमओयू कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व करा लिया गया है। स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय व कार्य निश्चित समयावधि में पूर्ण किया जाय।
- (ix) निर्माण कार्य का पुनरीक्षण नहीं किया जाएगा तथा कार्य की थर्ड पार्टी क्वालिटी चेकिंग कराई जाएगी।
- (x) आगणन में प्राविधानित डिजाइन एवं मात्राओं हेतु संबंधित कार्यदायी संस्था पूर्णरूप से उत्तरदायी होंगे।
- (xi) अस्वीकृत आगणन के प्राविधानों एवं तकनीकी स्वीकृति के प्राविधानों में परिवर्तन (केवल अपरिहार्य स्थिति में ही) करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की सहमति अनिवार्य रूप से प्राप्त की जाएगी। साथ ही यह परिवर्तन स्वीकृत धनराशि की सीमान्तर्गत ही किया जाएगा।
- (xii) प्रश्नगत कार्य का गहन निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण पर्यटन विभाग द्वारा भी किया जाएगा।
- (xiii) कार्य को समयबद्ध रूप से पूर्ण कराये जाने हेतु दिन-रात अथवा कम से कम 12 घण्टे रोज कार्य कराया जाये। यदि सम्बन्धित फर्म/ठेकेदार द्वारा उक्त कार्य को दिनांक 31.12.2015 तक पूर्ण कर दिया जाता है, तो फर्म/ठेकेदार को 1 प्रतिशत इन्सेन्टिव भी प्रदान किया जा सकता है। उक्त कार्य को प्रत्येक दशा में दिनांक 31.01.2016 से पूर्व पूर्ण किया जायेगा।
- (xiv) कुम्भ/अर्द्धकुम्भ हेतु मेलाधिकारी की तैनाती का नौटीफिकेशन निर्गत होने की तिथि से कुम्भ/अर्द्धकुम्भ की मेला अवधि प्रारम्भ होने तक 06 वी0आई0पी0 कक्ष मेलाधिकारी के निर्वर्तन पर रखे जायेंगे।
- (xv) कुम्भ/अर्द्धकुम्भ मेला प्रारम्भ होने से मेला समाप्ति तक अतिथि गृह के सम्पूर्ण कक्ष मेलाधिकारी के नियंत्रणाधीन रखे जायेंगे।
- (xvi) मेलाधिकारी की तैनाती का नौटीफिकेशन निर्गत होने तक एवं कुम्भ/अर्द्धकुम्भ के मध्य की अवधि में मेलाधिकारी के निर्वर्तन पर रखे जाने वाले 06 वी0आई0पी0 कक्ष जिलाधिकारी, हरिद्वार के नियंत्रणाधीन रखे जायेंगे।
- (xvii) उपरोक्त सभी अवधियों के लिए अतिथि गृह के समस्त कक्षों के किराये का निर्धारण समय-समय पर जिलाधिकारी, हरिद्वार व गढ़वाल मण्डल विकास निगम द्वारा किया जायेगा।
- (xviii) उपरोक्त शर्तों के अधीन अतिथि गृह को गढ़वाल मण्डल विकास निगम को हस्तगत किया जायेगा।

- 2- उक्त स्वीकृत धनराशि का व्यय शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों, वित्तीय हस्त पुस्तिका व बजट मैनुअल के अनुसार किया जाय।
- 3- इस सम्बन्ध में होने वाले व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2015-16 की अनुदान संख्या-13 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-4217- शहरी विकास पर पूंजीगत परिव्यय-03-छोटे तथा मध्यम श्रेणी के नगरों का समेकित विकास-आयोजनागत-800-अन्य व्यय-01 केन्द्रीय आयोजनगत/केन्द्रपुरोनिधानित-0107-अर्द्ध कुम्भ मेला, 2016 की मानक मद संख्या-35-पूँजीगत परिसम्पत्तियों के सृजन हेतु अनुदान के नामे डाला जाएगा।
- 4- उक्त धनराशि वित्त विभाग की अशासकीय संख्या-648/XXVII(2)/15, दिनांक 24 सितम्बर, 2015 में प्राप्त सहमति के क्रम में जारी की जा रही हैं।
- 5- एलॉटमेंट आई0डी0 संख्या-एस01509130244 एवं एच01509131589 दिनांक सितम्बर, 2015 के द्वारा उक्त धनराशि ऑनलाइन रूप से अवमुक्त की गई है।

भवदीय,

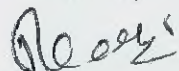
(डी0एस0 गर्बाल)
सचिव।

संख्या-1236(1)/IV(3)/4(63)/2014, तददिनांकः

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1-महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
- 2-महालेखाकार (आडिट), उत्तराखण्ड, वैभव पैलेस, सी0-1/105, इन्दरा नगर, देहरादून।
- 3-प्रमुख सचिव, पर्यटन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 4-प्रबन्ध निदेशक, गढ़वाल मण्डल विकास निगम, देहरादून।
- 5-आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
- 6-जिलाधिकारी, हरिद्वार।
- 7-निदेशक, एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 8-वरिष्ठ कोषाधिकारी, हरिद्वार।
- 9-वित्त अनु0-2
- 10-गार्ड फाइल।

आज्ञा से,


(रईस अहमद)
अनु सचिव।

बजट आवंटन वित्तीय वर्ष - 20152016

Secretary, Urban Development (S054)

आवंटन पत्र संख्या - 1236/15-4(63)2015

अनुदान संख्या - 013

अलोटमेंट आई डी - S1509130244

आवंटन पत्र दिनांक - 24-Sep-2015

HOD Name - Secretary, Urban Development (Grants) (9005)

1: लेखा शीर्षक	4217 - शहरी विकास पर पूंजीगत परिव्यय	03 - छोटे तथा मध्यम श्रेणी के नगरों का समेकित विकास
	800 - अन्य व्यय	01 - केन्द्रीय आयोजनागत/ केन्द्र पुरोनिधानित
	07 - अर्थकुम्भ मेला, 2016	

Plan Voted			
मानक मद का नाम	पूर्व में जारी	वर्तमान में जारी	योग
35 - पूंजीगत परिसम्पत्तियों के लजन	227690000	173168000	400858000
	227690000	173168000	400858000

Total Current Allotment To Head Of The Department In Above Schemes - 173168000

Re...

(सहस्र लहनाव)
अनु सक्षिप,
शहरी विकास विभाग
उत्तराखण्ड शासन।

बजट आवंटन वित्तीय वर्ष - 20152016

Secretary, Urban Development (Grants) (9005)

आवंटन पत्र संख्या - 1236/15-4(63)2015

अलोटमेंट आई डी - H1509131589

अनुदान संख्या - 013

आवंटन पत्र दिनांक - 24-Sep-2015

DDO Name - Meladhikari KumbhHaridwar (2871) , Treasury - Haridwar (6500)

1: लेखा शीर्षक	4217 - शहरी विकास पर पूंजीगत परिव्यय	03 - छोटे तथा मध्यम श्रेणी के नगरों का समेकित विकास
	800 - अन्य व्यय	01 - केन्द्रीय आयोजनागत/ केन्द्र पुरोनिधानित
	07 - अर्धकुम्भ मेला, 2016	

मानक मद का नाम	पूर्व में जारी	वर्तमान में जारी	Plan Voted
			योग
35 - पूंजीगत परिसम्पत्तियों के सृजन	162310000	173168000	335478000
	162310000	173168000	335478000

Total Current Allotment To DDO In Above Schemes -

173168000

Recd
(सिद्धि लाल)
जन. सचिव,
शहरी विकास विभाग
उत्तराखण्ड शासन।